VKG-27

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - I)

GENERAL STUDIES (Test - I)

मॉड्यूल - I / Module - I

DTVF/17–M–GS1

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anil

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [ ] नहीं [ ]

मोबाइल न. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 16-07-2017 / 1

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): [signature]

नोटः प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

Category	Grade
Introduction	B
Context	B
Language	C
Content	C+
Conclusion	B
Structure	B
Current Link / Examples	—

MARKS: 66½ /250

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

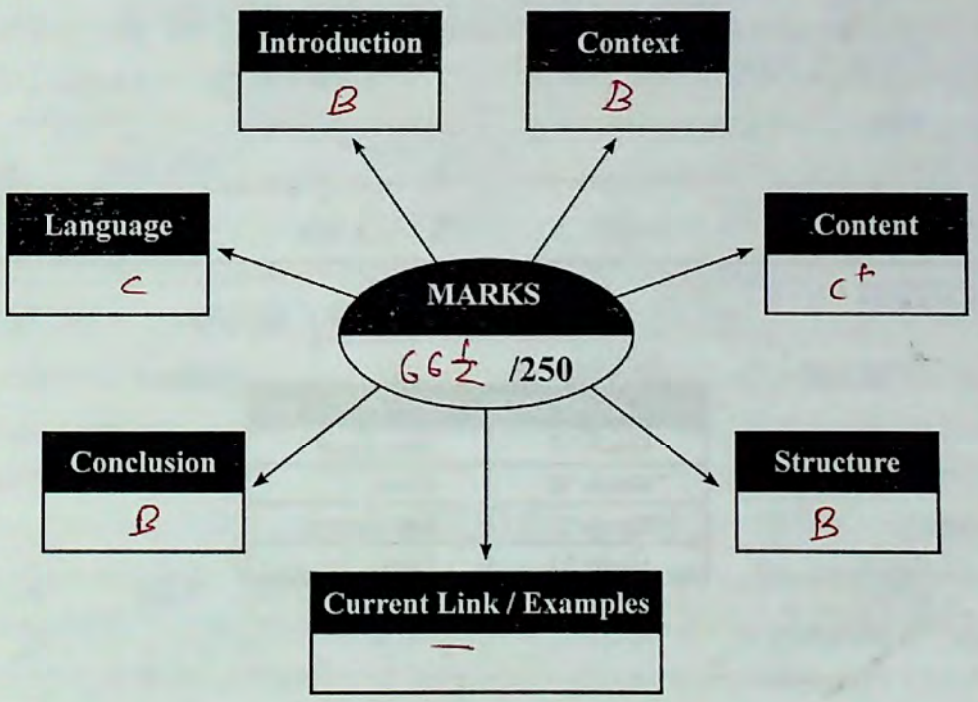

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विषय - वस्तु को और उन्नत करें।
- वाक्य संरचना पर ध्यान दे।
- उत्तर लेखन में तारतम्यता बनाएँ रखे।
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. "बंगाल के राष्ट्रवादी कलाकार कला की एक ऐसी विधा की ओर उन्मुख हुए जिसने राष्ट्र के प्राचीन मिथकों एवं जनश्रुतियों को विभिन्न चित्रात्मक तत्त्वों को मिश्रित करके एक नवीन भारतीय शैली को जन्म दिया, जो पूर्वी दुनिया के आध्यात्मिक रंग में रंगी हुई थी।" उक्त कला के तत्त्वों के आधार पर कथन का विवेचन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The nationalist artists of Bengal were oriented towards such kind of knowing of the art that generated a new genre by mixing ancient myths and legends of the nation with various pictorial elements, that was painted in the spiritual color of the Eastern World." Discuss statement on the basis of the elements of above art. (250 words) 12.5

भूमिका ?

बंगाल के राष्ट्रवादी चित्रकार जैसे अवीन्द्रनाथ टैगोर, जैमिनी राय ~~देसाई~~ एवं रवि वर्मा आदि ने भारतीय प्राचीन मिथकों एवं जनश्रुतियों को अपनी चित्रकला में समाहित किया।

भारतीय चित्रकला को बंगाल शैली के उदय का स्पष्ट वर्णन करें।

वस्तुत: राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ। विशेषकर स्वदेशी आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय उन्नति को प्राथमिकता दी गई, तो साथ ही लोक जागरण एवं राष्ट्रीय-सांस्कृतिक के विकास को प्राथमिक माना गया।

भारतीयों में लोक जागरण के ~~लिए~~ प्रसार के लिए कलाकारों ने प्राचीन मिथकों एवं जनश्रुतियों को

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को अपने चित्रों में स्वीकार किया।

वस्तुतः इसी क्रम में प्राचीन काल के मिथकों जैसे- महाभारत, रामायण कृष्ण, राम एवं इत्यादि चित्रांकन को महत्व दिया गया, जिससे लोगों में अतीत के प्रति एक प्रतिष्ठा का भाव जाग्रत हो।

वस्तुतः अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत के प्राचीन सम्राट अशोक का चित्रांकन किया तो वहीं रवि रास ने धार्मिक मिथकों को प्राथमिकता दी।

तथ्यों को जाँच कर लें।

दरअसल इन चित्रों में भारतीय के साथ-साथ पश्चिमी चित्रांकन शैली को अपनाया गया जैसे एकल चित्र भागो के चित्रों को बढ़ा दर्शाना इत्यादि।

इस शैली के अन्य विशेषताओं की भी चर्चा करें।

इसका परिणाम हुआ कि एक भारत एवं पश्चिमी मिश्रित चित्रकला शैली विकसित हुई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इन शैली में भारत के आध्यात्मिक तत्वों को भी स्वीकार किया गया। बुद्ध, महावीर जैन इत्यादि के चित्र बनाए गए।

इसका परिणाम हुआ कि भारत में चित्र कला की आध्यात्मिक शैली का विकास हुआ और लोगों में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए प्रेरणा भी मिली।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1.5	1	0.25	∞	0.25	✓
Grade	—	C	C	E	<	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "भक्तिकाल से रीतिकाल की ओर प्रस्थान की जो झलक तत्कालीन साहित्य में मिलती है, वह वास्तव में सिद्धांत और व्यवहार में सामाजिक विचारों को दर्शाती है, जो जनता की आशा-आकांक्षाओं और चित्तवृत्ति का प्रत्यक्ष प्रतिबिम्ब है।" व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The glimpse of the shifting from Bhaktikal to Reetikal, which reflects in the literature of that time, actually portrays social notion in principle and practice, which is a direct reflection of the common man's expectations aspirations and imaginations." Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भक्तिकाल के प्रारंभ से पूर्व भारतीय समाज जकड़ा हुआ था। जिसमें, जाति व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था, संप्रदायवाद इत्यादि तत्व समाहित थे।

अतः भक्तिकाल में इन कुरीतियों पर जोर की गई। कबीरदास ने जाति व्यवस्था, संप्रदाय-वाद आदि पर चोट की, तो वहीं निर्गुण भक्ति की उपासना पर बल दिया। रविदास ने स्पष्ट रूप से जाति व्यवस्था को नकार दिया।

भक्तिकाल के पश्चात जब रीतिकाल का आगमन हुआ। तो रीतिकाल के आगमन के समय की तत्कालीन परिस्थिति भोग-विलास में डूबे हुए

प्रभावी भूमिका लिखें

भक्तिकाल के अन्य मूल्य तत्वों को चर्चा करें।

भावों एकविधता सात्विक जीवन पर बल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

समाज की थी। वस्तुतः रीतिकाल के समय मुगल राज स्थापित हो चुका था, तो साथ ही अब सामंतो को बाह्य आक्रमण का खतरा समाप्त हो गया क्योंकि मुगल काल की अधीनता इन्होंने स्वीकार कर ली। अतः इस काल में भोग-विलास की रचनाएं की गई। उदाहरण के लिए रत्नाकर की रचनाएं।

किंतु जब मुगल काल के विरुद्ध विद्रोह हुए, तो वीरता की कहानी लिखी जाने लगी, चाहे वह गुरु नानक द्वारा लिखी गई रचनाएं हों, या बुन्देली साहित्य हो।

अतः स्पष्ट है कि भक्तिकल में समाज तत्कालीन मध्यकालीन जकड़न से निकलना चाहता था। अतः समाज सुधार संबंधी रचनाएं की गई, तो वहीं रीति काल के दौर में

रीतिकालीन साहित्य के मूल तत्वों की ओर स्पष्ट चर्चा करें।

तथ्यों को जाँच कर लें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगलकालीन शोषण से मुक्ति के लिए प्रयास प्रारंभ हुए अतः वीरता से संबंधित रचनाएं की जाने लगीं।

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	0.5	0.25	x	—	x
Grade	—	C	D	C	<	—	-

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सांस्कृतिक विविधता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्त्वपूर्ण अवयव के रूप में पहचानी जाती है, जो भूतकाल की परंपराओं के साथ-साथ समकालीन प्रथाओं को भी आत्मसात करती है। उक्त कथन को स्पष्ट करते हुए यूनेस्को द्वारा भारत में पहचाने गए ऐसे प्रतिनिधि विरासतों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

'Intangible Cultural Heritage' is recognised as the important component of cultural diversity and creative expression which assimilates contemporary practices along with the traditions of the past. Discuss such representative heritages identified by UNESCO in India while explaining the above statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

'अमूर्त सांस्कृति विरासत' के अंतर्गत भाषा, परंपराएं एवं रीति - रिवाज इत्यादि को शामिल किया जाता है।

अमूर्त सांस्कृति विरासत प्रत्येक क्षेत्र की भिन्न - भिन्न होती है। उदाहरण के लिए भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में हार्नबिल फेस्टिवल होता है, दक्षिण भारत में शिलाम्बकम, कुचिपुडी, कथकली जैसे नृत्य और राजस्थान का कालबेलिया नृत्य इत्यादि।

वस्तुत: अमूर्त सांस्कृति विरासत के माध्यम से प्राचीन काल की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति होती है। जैसे भारत में वर्तमान में बोली जाने वाली भाषा कई सौ वर्षों के पश्चात भी

यूनेस्को द्वारा चिह्नित भारत के अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की चर्चा करें। जैसे - वेदपाठ, कुंभ, रामलीला

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

बनी हुई। आज भी भारत में रीति - रिवाज जैसे - लिंग पूजा, नाग पूजा आज भी प्रचलित है।

ऐसा नहीं है कि अमूर्त विरासत केवल प्राचीन परंपराओं को ही समेटती है, बल्कि ~~यह~~ ~~और~~ नई एवं समकालीन प्रथाओं को भी आत्मसात करती है। उदाहरण के लिए वर्तमान में पितृ दिवस एवं नवीन भाषा अंग्रेजी को भी स्वीकार किया जा रहा है।

इनकी विशेषताओं का भी उल्लेख करें।

अतः स्पष्ट है कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सांस्कृतिक विविधता को समेटते हुए भूतकालीन परंपराओं के साथ-साथ समकालीन प्रथाओं को भी आत्मसात करती है।

(2)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	0.5	0.25	x	0.25	x
Grade	—	C	D	C	x	D	x

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में चिह्नित करने वाले मापदंडों की चर्चा कीजिये। इस प्रवर्ग में शामिल भाषाओं का उल्लेख करते हुए इसके लाभ बताइये। (250 शब्द) 12.5

Discuss the parameters that identify a language as classical language. Describe it's benefits while mentioning the languages included in this category. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में चिन्हित करने के लिए भारत सरकार ने निम्नलिखित मापदण्ड बनाए हैं —

साहित्य अकादमी द्वारा

- भाषा को 1500 वर्ष से प्राचीन होना चाहिए।
- स्वतंत्र व्याकरण का विकास हो।
- साहित्यिक रचनाएं की गई हैं।
- उस भाषा का अपना स्वतंत्र अस्तित्व हो।

1500 से 2000 वर्षों की अवधि में

इसे वक्ताओं की पीढ़ियों द्वारा एक बहुमूल्य विरासत माना जाता है

वर्तमान में भारत में ~~साहित्यिक~~ शास्त्रीय भाषाएँ हैं —

- तमिल, तेलगू, उड़िया, संस्कृत, कन्नड़, मलयालय।

का उल्लेख करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिल जाने से। सरकार उसके संरक्षण के लिए वित्तपोषण करती है।

भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास किए जाते हैं। और उसके प्रसार में वृद्धि होती है।

संबंधित भाषा में रचनाकर्म में वृद्धि होती है।

• संबंधित भाषा को प्रयोग करने वाले लोगों में आत्मबल का विकास होता है, जिससे भी उसका प्रसार होता है।

अतः यदि कोई भाषा शास्त्रीय भाषा के मानक पूरी करती है, तो उसे दर्जा प्राप्त होना चाहिए, जिससे उस भाषा

अन्य लाभों को भी बताएँ।

प्रभावी निष्कर्ष लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

का संरक्षण एवं समृद्धि हो सके।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	2	1	0.25	×	0.25	×
Grade	—	B	C	C	×	B	×

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. 'वसुधैव कुटुम्बकम' की विश्व बंधुत्व की धारणा सभी पंथों व नस्लों को सौहार्द्रता के साथ जीने का आधार प्रदान करती है, लेकिन वर्तमान में यजदी समुदाय जिस शोषण व हिंसा का शिकार है, वह कहीं-न-कहीं इस धारणा पर प्रश्नचिह्न लगाता है। यजदी समुदाय के धार्मिक विश्वासों का उल्लेख करते हुए उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The notion of universal brotherhood of 'Vasudhaiva Kutumbkam' provides the base to all sects and races for living together with harmony. But at present the exploitation and violence, which Yazidi community is facing are putting somewhere a question mark on this notion. Describe the statement given above while mentioning the religious beliefs of the Yazidi Community. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वसुधैव कुटुम्बकम का तात्पर्य होता है कि विश्व के सभी व्यक्ति एक दूसरे ~~व्यक्ति~~ के पंथों, नस्लों का सम्मान करें।

किंतु वर्तमान में जैसी घटनाएँ देखने को मिल रही है, उससे वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा पर प्रश्नचिन्ह लगता है।

अभी हाल ही में आतंकवादी संगठन द्वारा यजीदी समुदाय का इराक एवं सीरिया में बड़ी संख्या में नरसंहार किया गया। तो

की अवधारणा व्यक्ति को समस्त विश्ववासी परिवार का सदस्य बनाती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ऐसे आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि यजीदियों को सीरिया, इराक, तुर्की में अपने धार्मिक विश्वासों को पूरा नहीं करने दिया जा रहा है।

यदि हम यजीदी समुदाय की बात करें, तो उसके निम्न धार्मिक विश्वास देखने को मिलते हैं। जैसे - यजीदी मूर्ति पूजक होते हैं, वे अपने पैगम्बर को मानते हैं, और उसकी आराधना करते हैं।

धार्मिक विश्वासों की और स्पष्ट चर्चा करें।

जैसे -
- पुनर्जन्म में विश्वास रखना
- स्वर्ग को आदम का वंशज मानना आदि।

किंतु आतंकवादी संगठन ISIS का मानना है कि वो भी इस्लाम को नहीं मानता, उसे या तो इस्लाम को स्वीकार कर लेना चाहिए या उसकी हत्या कर दी जाएगी। इतना ही नहीं

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सीरिया, इराक और तुर्की की सरकारों पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि वे उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास नहीं कर रहे।

अतः स्पष्ट है कि यजीदी समुदाय को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान कर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का प्रसार करना चाहिए।

4 1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1.5	0.25	✗	0.25	✓
Grade	B	B	C	C		B	✓

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. "देश का बँटवारा एक ऐसी सांप्रदायिक राजनीति का आखिरी बिन्दु था, जो 19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में शुरू हुआ।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Partition of the country was the end point of communal politics that started in the last decades of 19th century." Examine. (250 words) 12.5

1857 की क्रांति के पश्चात अंग्रेजों ने मुस्लिमों के विरुद्ध दमन चक्र चलाया। वस्तुतः अंग्रेजों ने 1857 की क्रांति के लिए मुस्लिमों को उत्तरदायी माना। अतः मुस्लिम एवं हिंदुओं के बीच तनाव बढ़ा।

साम्प्रदायिक राजनीति क्या है, चर्चा करें?

तो साथ ही अंग्रेजों की फूट - डालो एवं राज करो की नीति के तहत भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया। इसी क्रम में 1875 में अलीगढ़ आंदोलन ने हिंदुओं का विरोध और ब्रिटिश सरकार का समर्थन किया।

इसी का परिणाम सामने आया कि 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई और इसकी मांग पर ब्रिटिश सरकार ने फूट डालो एवं राज करो की पराकाष्ठा दर्शाते हुए 'पृथक निर्वाचन पद्धति' को

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्वीकार किया।

तो साथ ही स्वदेशी आंदोलन के दौरान जब बंगाल विभाजन का विरोध किया, तो इसे कुछ मुस्लिमों ने मुस्लिम विरोधी माना, तो साथ इस आंदोलन में धार्मिक प्रतीकों एवं चिन्हों का प्रयोग किया गया।

तो साथ खिलाफत आंदोलन की असफलता ने भी मुस्लिमों में कटुता पैदा की।

आगे चलकर जब मुस्लिम लीग के स्वार्थों की पूर्ति नहीं हो रही थी, तो उसने द्विराष्ट्र के सिद्धांत को प्रतिपादित किया और उसने माना कि मुस्लिमों के कल्याण एवं विकास के लिए एक अलग राष्ट्र देश होना चाहिए।

1935 में चुनावों में लीग की करारी हार

अन्य कारणों की भी चर्चा करें, जिसने साम्प्रदायिक राजनीति का विस्तार किया। जैसे —
• कम्युनल अवार्ड
• मुस्लिम लीग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हुई अतः उसने अपने अभियान के लिए पाकिस्तान के निर्माण पर बल दिया।

1946 में उसने पाकिस्तान की मांग उग्र रूप से रखी और इसी क्रम में उसने नारा दिया 'लड़कर लेंगे पाकिस्तान' और भारत में व्यापक दंगे हुए और अंततः 1947 में भारत का विभाजन हो गया।

निष्कर्ष :

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1.5	1	0.25	—	—	✓
Grade	—	C	C	C	—	—	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

7. "राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न कालखंडों में किसानों की मांगों के प्रति कांग्रेस के दृष्टिकोण में भारी विविधता दृष्टिगत होती है।" स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"There is a huge diversity can be observed in the Congress's stand-point towards the demand of the peasants in different time segments of the national movement." Explain. (250 words) 12.5

कांग्रेस की स्थापना 1885 ई. मे हुई। प्रारंभ में कांग्रेस ने किसानों की मांगों को ज्यादा महत्व नहीं दिया। बल्कि केवल लगान की दर कम करने को प्राथमिकता देते रहे।

भूमिका?

किंतु गांधी युग (1915 के पश्चात) के आगमन के साथ ही किसानों की मांगों को लेकर कांग्रेस ने आन्दोलन किया। चंपारण, खेड़ा, बारदोली आंदोलन के संदर्भ में इसे देखा जा सकता है।

इससे संबंधित तथ्यों को भी लिखें।
- काश्तकारी अधिनियम पारित
- बेगार प्रथा को समाप्त किया गया।

तो साथ ही अब मांगे व्यापक हो गई, अब केवल किसानों के लिए लगान में कमी की ही मांग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नहीं की गई बल्कि अब किसानों के संरक्षण, किसानों को सिंचाई की सुविधा की बात की गई।

1939 में सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में गठित योजना समिति ने किसानों के संरक्षण माँग करते हुए, उन्हें सिंचाई के साधन उपलब्ध कराने की भी माँग की।

इसी प्रकार कांग्रेस आंदोलन के प्रारंभ में किसान एवं जमींदारों के बीच समन्वय बनाए रखना चाहती थी। अतः स्पष्ट रूप से कांग्रेस ने किसानों को जमींदारों को कर न देने के लिए बाध्य नहीं किया।

किंतु 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कांग्रेस

कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के ... योगदानों एवं देशी रियासतों के किसानों के प्रति समर्थन की भी चर्चा करें।

कांग्रेस में ... वामपंथियों के ... उदय तथा किसानों के प्रति उनकी सहानुभूति का भी उल्लेख करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ने किसानों को केवल उन्हीं जमींदारों को कर राशि देने को कहा, जो ब्रिटिश सरकार विरोधी थे।

अतः कोई भी आंदोलन जब प्रारंभ होता है, तो उसकी मांगें सीमित होती हैं, किंतु समय के साथ आंदोलन परिपक्व अवस्था में पहुंचता है और मांगों में वृद्धि होती है। यही स्थिति कांग्रेस की किसानों की मांगों के संदर्भ में देखी जा सकती है।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	×	0.25	✓
Grade	B	B	C	C		B	✓

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. औपनिवेशिक अर्थतंत्र ने किस प्रकार आदिवासी विद्रोहों के प्रस्फुटन की पृष्ठभूमि का निर्माण किया? पूर्वी भारत के आदिवासी विद्रोहों का उदाहरण लेते हुए उत्तर दीजिये। (250 शब्द) 12.5

How colonial economy build background of eruption of tribal revolts? Explain above statement by citing the examples of tribal revolts in eastern India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियां जैसे - भू-राजस्व नीति, वन नीति, रेलवे का विकास, विऔद्योगीकरण इत्यादि ने आदिवासी विद्रोहों की पृष्ठभूमि तैयार की।

वस्तुतः भू-राजस्व नीति के अंतर्गत आदिवासियों को उनकी भूमि से बेदखल किया गया है साथ ही वनों पर भी सरकार ने अपना अधिकार स्वीकार किया। अतः आदिवासियों ने सरकार के विरुद्ध विद्रोह किया। 'संथाल विद्रोह', भूमि अधिकार एवं अधिकार को लेकर किया गया।

जब सरकार ने आदिवासियों के पास वनों पर मजबूत किया और उनके वन उत्पाद के अधिकार को समाप्त कर दिया, तो आदिवासियों ने

पहले ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के कारण जनजातीय लोगों के ऊपर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा करें तब उस नीतियों के विरुद्ध हुए आदिवासी विद्रोहों का उल्लेख करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके विरुद्ध विद्रोह किया। खोंड विद्रोह के संबंध में देखा जा सकता है। यही स्थिति मणिपुरी एवं खासी विद्रोह के संबंध में देखी जाती है। 'अहोम विद्रोह' भी सरकार की भू-राजस्व नीतियों के विरुद्ध ही किया गया। वस्तुतः जब अहोम जाति के भूमि अधिकारों को सीमित किया, तो उसने सरकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।

अतः स्पष्ट है कि सरकार की भू-राजस्व नीतियों एवं अर्थतंत्रीय नीतियों के आदि शोषण के कारण आदिवासियों ने औपनिवेशिक शोषण से मुक्ति के लिए विद्रोह किया। हालांकि प्रारंभ में वे ब्रिटिश शोषण को नहीं समझ रहे थे, किंतु कालांतर में इन्होंने सशस्त्र विद्रोह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किया।

पूर्वी भारत में अन्य आदिवासी आंदोलनों को संबंधित तथ्यों के साथ उल्लेख करें।

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	✗	0.25	✓
Grade	B	C	C	C		B	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. क्या आप मानते हैं कि 18वीं-19वीं शताब्दी में शुरू हुआ भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन, भारत में राष्ट्रवाद के अंकुरण की पूर्व शर्त थी? तर्कों द्वारा अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the Indian renaissance movement started in 18th-19th century was the precondition for the germination of nationalism in India. Substantiate your answer with arguments. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

18वीं - 19वीं शताब्दी में भारत में पुनर्जागरण आंदोलन प्रारंभ हुआ। वस्तुतः भारत में एक मध्य वर्ग का उभार हुआ जिसने भारत के औपनिवेशिक कारणों की समीक्षा की, तो उसमें भारत में व्याप्त सामाजिक कुरीतियां विद्यमान थी।

स्पष्ट लिखें।

नव जागरण आंदोलन में भारत में व्याप्त कुरीतियों जैसे- राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा का विरोध किया, तो वहीं ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने विधवा विवाह की बात की। तो साथ धार्मिक आडम्बरों, जाति प्रथा इत्यादि पर चोट की, जिससे समाज में एकता में वृद्धि हुई।

अन्य समाज-सुधारकों की चर्चा करते हुए राष्ट्रवाद विचारों को फैलाने में उनके योगदान का उल्लेख करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नव जागरण आंदोलन ने भारत के अतीत का गौरवपूर्ण वर्णन किया। दयानंद सरस्वती ने इसी क्रम में वेदों की ओर लौटो और भारत भारतीयों के लिए नारा दिया, तो साथ ही विवेकानंद ने 'भारत के अतीत का दार्शनिक वर्णन किया। जिससे भारतीयों में राष्ट्रवादी चेतना का विकास हुआ।

इस आंदोलन के दौरान अनेक पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन हुआ जैसे, तत्व बोधिनी संवाद कौमुदी इत्यादि। इनके माध्यम से भी भारत में राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार हुआ।

इस आंदोलन से संबंधितों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक चेहरा को उजागर किया और

· नस्लीय भेद-भाव
· संचार साधनों का विकास
· आर्थिक शोषण जैसे कारकों का राष्ट्रवाद के उदय के सन्दर्भ में उल्लेख करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लोगों को इससे मुक्ति के लिए प्रेरित किया।

इसके साथ ही इस आंदोलन के लोगों ने स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता जैसे विचारों का प्रसार किया अतः लोगों में राष्ट्रवादी का प्रसार हुआ।

अतः स्पष्ट है कि भारत में राष्ट्रवाद की भावना के प्रसार में नवजागरण वादी आंदोलन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	x	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	x	B	✓

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. "यदि भारत औपनिवेशिक शासन के दौर से नहीं गुजरा होता, तो भारतीय समाज ने अपने मध्यकालीन जड़ता को तोड़कर आधुनिक काल में प्रवेश नहीं किया होता।" कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"If India had not passed through a period of colonial rule, then Indian society would not have broken its medieval numbers and entered into modern era." Critically examine the statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यदि भारत में औपनिवेशिक शासन स्थापित नहीं हुआ होता, तो भारत मध्यकालीन जड़ता को नहीं तोड़कर आधुनिक काल में प्रवेश नहीं करता।

वस्तुतः इन इतिहासकारों का मानना है कि ब्रिटिश शासन के कारण ही भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं का विकास भारत एवं प्रशासनिक एवं न्यायिक व्यवस्था का जन्म हुआ। भारत में संचार साधनों का विकास हुआ, उद्योगों की स्थापना हुई और इनसे बढ़कर भारत एक राष्ट्र के रूप में स्थापित नहीं हो पाता।

औपनिवेशिक शासन के सकारात्मक प्रभावों को अलग-अलग पैरा में विस्तार से लिखें।

⇓

- राजनीतिक एकीकरण
- सामाजिक सुधार
- मध्यम वर्ग का उदय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किंतु यह आक्षेप उचित नहीं है। भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं ऋग्वैदिक काल में मौजूद थी, तो साथ ही भारत में एकता और अखण्डता अशोक और अकबर में भी स्थापित थी और भारत एक राष्ट्र के रूप में स्थापित था।

भारत में आधुनिक संस्थाओं की स्थापना में ब्रिटिश का योगदान है किंतु इसके बदले में ब्रिटेन ने भारत का व्यापक शोषण किया चाहे धन बहिर्गमन के माध्यम से हो या रेलवे के माध्यम से।

भारत में अपनी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध ब्रिटिश के पूर्व भी भक्तिकाल में अभिव्यक्ति हुई थी।

औपनिवेशिक नीति के वास्तविक उद्देश्यों की चर्चा करते हुए तब इसके नकारात्मक प्रभावों की चर्चा करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः स्पष्ट है कि ब्रिटिश शासन न भी होता तो भी भारत आधुनिक काल में प्रवेश कर जाता।

3 1/2

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	✓	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	✓	B	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

11. "गांधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन की तपिश ने न केवल सर्वोच्च सत्ता को वार्ता की मेज पर आने को बाध्य किया, अपितु जन-सामान्य के बीच जुझारुपन की भावना को भी तीक्ष्ण किया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The heat of non-violence movement of Gandhiji not only forced the supreme powers to come to the conference table, but also strengthened the fighting spirit among the common masses." Comment. (250 words) 12.5

गांधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन - असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन इत्यादि ने सर्वोच्च सत्ता को वार्ता की मेज पर आने को बाध्य किया, तो साथ जन - सामान्य में अंग्रेज विरोधी आंदोलन को भी प्रबल बनाया।

वस्तुतः गांधी जी सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह पर विश्वास करते थे। अहिंसा होने के कारण गांधी जी के आंदोलन में बड़ी संख्या में भागीदारी होती थी, जिससे अंततः ब्रिटिश सत्ता को झुकना पड़ता था। चाहे वह चंपारण आंदोलन के तिनकठिया प्रथा की समाप्ति

संक्षेप में गांधी जी के आगमन के पूर्व भारत की स्थिति की चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हो या खेड़ा आंदोलन के पश्चात करों में कमी।
इसी प्रकार, सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात गांधी-इर्विन समझौता हुआ और गांधी की मांगों को इर्विन को मानना पड़ा, तो साथ गांधी जी को द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के लिए ब्रिटेन भेजा।

गांधी जी अपनी साधारण जीवन शैली और रचनात्मक कार्यों के माध्यम से आम जन से जुड़ते थे, जिससे इनका आंदोलन व्यापक होता था।

इसी का परिणाम है कि गांधी के आगमन के पश्चात में बड़े जनांदोलन हुए और अंतत:

प्रशासन के सभी स्तरों पर उसके प्रभावों को लिखें।

इन रचनात्मक कार्यों को संबंधित तथ्यों के साथ चर्चा करें।

संघर्ष-विराम-संघर्ष रणनीति की भी चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भारत - दोहरे आंदोलन के पश्चात भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति हुई।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1.5	0.25	x	0.25	x
Grade	B	B	C	C	x	B	x

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

12. "प्रत्येक देश के इतिहास में एक ऐसा समय आता है जब प्रशासनिक व्यवस्था को पूर्णतया विखण्डित करके समय के अनुकूल उसकी कायापलट और पुनर्गठन करना आवश्यक हो जाता है।" लॉर्ड कर्ज़न के प्रशासनिक नीतियों के संदर्भ में उक्त कथन पर प्रकाश डालें। (250 शब्द) 12.5

"There comes a time in the history of every nation when a need arises to completely shatter the administrative system into pieces to makeover and overhaul it as per the need of the time." Elucidate in the context of administrative policies of Lord Curzon. 12.5
(250 words)

~~कार्नवालिस~~ कर्जन ने भारत में अपनी प्रशासनिक नीतियों में व्यापक परिवर्तन किया।

प्रभावी भूमिका लिखें।

कर्जन ~~कार्नवालिस~~ ने शिक्षण संस्थाओं पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया।

कर्जन ने ब्रिटिश आवश्यकताओं को समझते हुए 'सीक्रेसी एक्ट' पारित किया, जिससे सरकार ~~में~~ के कामकाज की बातें उजागर न हो सकें।

तथ्यों की जाँच कर लें।

कर्जन के काल में रेलवे का भी सर्वाधिक विकास हुआ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कर्जन के काल में 1902 में पुलिस सुधार के लिए फ्रेजर आयोग का गठन किया गया, इसकी अनुशंसा पर राज्य में पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति की गई।

कर्जन ने प्रशासनिक सुदृढ़ता की दृष्टि से बंगाल के विभाजन को भी संपादित किया। उसका मानना था कि इतने बड़े राज्य का प्रशासन संभव नहीं है।

किंतु कर्जन के सभी प्रशासनिक सुधार औपनिवेशिक हितों से परिचालित थे। इनका मुख्य उद्देश्य औपनिवेशिक हितों की पूर्ति करना था। इन सुधारों से ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और दृढ़ हुआ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अन्य कार्यों की भी चर्चा करें।
↓
· केन्द्रीय अपराधिक गुप्तचर विभाग का गठन
· वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की स्थापना
⇓
इन सुधारों के प्रभावों को भी बतायें।

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	∝	2	1	0.75	✓	0.25	✓
Grade	∝	B	C	C	✗	C	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

13. "वर्ष 1962 में भारत पर चीनी आक्रमण मात्र द्विपक्षीय संबंधों में तनावों का परिणाम न होकर, चीन की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से त्यक्ता, अलगाव एवं निराशा की भी उपज थी।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The 1962 China attack on India was not only a result of confrontation in the bilateral relations, but was also resultant of Chinese isolation, separation and disappointment from the world politics." Comment. (250 words) 12.5

1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण किया वस्तुतः इसके कारणों की समीक्षा की जाए, तो इसमें चीन का सीमा विस्तार तो एक मुद्दा था ही, किंतु उसके अन्य कारण भी थे।

वस्तुतः भारत की स्वतंत्रता के पश्चात भारत ने गुटनिरपेक्षता आंदोलन प्रारंभ किया, जिसका नेतृत्व भारत कर रहा था और चीन की उसमें कोई भागीदारी नहीं थी। ऐसे में भारत की प्रतिष्ठा में भारी वृद्धि हुई।

तो साथ ही इस दौर में चीन को एशिया में नकार दिया गया तथा

चीन के अलगाव के अन्य कारणों की उल्लेख करें।

• अमेरिका द्वारा फारमोसा (ताइवान) को वैध चीन के रूप में मान्यता देना चीन की 'वन चाइना पॉलिसी' का विरोध।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

विश्व में भी उसके न तो अमेरिका से बहुत मित्रतापूर्ण संबंध थे और न ही रूस से। ऐसे में वह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से व्यस्तता, अलगाव एवं निराशा थी।

ऐसे में वह 1962 के युद्ध के माध्यम से जहाँ अपनी सीमाओं का विस्तार करना चाहता था। तो वहीं भारत की एशिया एवं विश्व में सक्रिय भूमिका को भी समाप्त करना चाहता था और स्वयं एशिया में स्थापित होना चाहता था।

त्रिब बातियों को भारत द्वारा शरण देना

(5)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	2	0.25	2
Grade	B	B	C	C	A	B	A

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

14. 1970 के दशक में वे कौन-सी परिस्थितियाँ विद्यमान थी जिसने एक सशक्त आंदोलन को जन्म दिया? यह आंदोलन अपने किन अंतर्निहित दोषों के कारण सत्ता का विकल्प नहीं बन पाया? 12.5
(250 शब्द)

Which conditions were prevailing in the decade of 1970 that gave birth to an empowered movement? Due to what intrinsic flaws this movement could not become an alternative to power? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

1970 के दौर में भारत में गरीबी बेरोजगारी भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ विद्यमान थी। किंतु जब भारत में 'आपातकाल' की घोषणा की गई, तो इसे लोकतंत्र के अपहरण के रूप में देखा गया।

अतः जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी नेताओं ने आंदोलन और उग्र किया और अंततः जब चुनाव हुए इंदिरा गांधी पराजित हुई और जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किंतु यह सरकार भी ज्यादा दिनों तक नहीं चली। वस्तुतः यह गठबंधन की सरकार थी और इसमें विभिन्न दलों के अपने संकीर्ण हित निहित थे।

संबंधित तथ्यों का भी उल्लेख करें।

अतः 1979 में इस सरकार का पतन हुआ और जनता सरकार पर भी भ्रष्टाचार, जैसे आरोप लगे। अतः जनता का इन दलों से विश्वास हटा और ये भारत में एक राजनीतिक विकल्प देने में असमर्थ रहे और पुनः इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ।

क्यों? कारणों को स्पष्ट करें।

• विचारधाराओं तथा उद्देश्यों की बहुलता
• कोई ठोस संस्थागत कार्यक्रम का खाका नहीं

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	0.5	0.25	x	0.25	x
Grade	B	C	D	C	x	D	x

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. "छोटे राष्ट्रों को भेड़ियों के आगे डालने से उनको संतुष्ट किया जा सकता है, पर वे यह नहीं समझ सके कि एक बार लहू का स्वाद चख लेने पर तृष्णा कभी पूर्ण नहीं होती, जितना तुष्टीकरण किया जाएगा, उतना ही असंतोष बढ़ेगा।" द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Throwing small nations in front of wolves can satisfy them, but they couldn't understand that after once tasting the blood, thirst can never be quenched, the more appeasement will be done, the more dissatisfaction will arise." Analyse the statement in the context of the second world war. (250 words) 12.5

उपरोक्त कथन मित्र राष्ट्रों की जर्मनी एवं इटली के प्रति अपनाई गई तुष्टिकरण की नीति और उसके परिणामों को प्रदर्शित करती है।

वस्तुतः मित्र राष्ट्रों ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई जिससे उनके हित सधते रहें। ब्रिटेन ने जर्मनी के साथ म्यूनिख समझौता किया, जिसमें उसने जर्मनी के चेकोस्लोवाकिया के सुडेटनलैंड पर अधिकार को स्वीकार किया।

इसी प्रकार जब इटली ने अफ्रीका एवं फ्रांस पर बंदरगाह पर कब्जा किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

तब भी मित्र राष्ट्रों ने इटली के कदम का विरोध नहीं किया।

तो साथ ही जापान ने जब चीन के मंचूरिया क्षेत्र पर आक्रमण कर अधिकार करने का प्रयास किया, तो मित्र राष्ट्रों ने जापान का साम्यवाद विरोधी आंदोलन माना, और कोई कार्यवाई नहीं की।

इसी तुष्टिकरण का परिणाम हुआ कि आगे चलकर जर्मनी, जापान और इटली की साम्राज्यवादी महात्वाकांक्षा बढ़ गई। और जर्मनी ने राइनलैंड का सैन्यीकरण किया और आगे चलकर पूरे चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार का प्रयास किया। तो साथ जब उसने पोलैंड पर अधिकार का प्रयास किया, तो मित्र राष्ट्रों

तुष्टिकरण नीति के अन्य बिंदुओं की भी चर्चा करें।
ब्रिटेन तथा जर्मनी के पुनःशस्त्रीकरण में सहयोग
संबंधित संधियों को भी लिखें।
मित्र राष्ट्रों पर इसके प्रभावों का भी उल्लेख करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ने इसे अपने लिए खतरा माना और द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हो गया।

अतः स्पष्ट है कि मित्र राष्ट्र (ब्रिटेन, फ्रांस, रूस) की तुष्टिकरण की नीतियों के कारण द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हुआ।

(4)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	×	0.25	✓
Grade	B	B	C	C	×	B	✓

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. "धुरी राज्यों के धराशाही होते ही मित्र राष्ट्रों के मध्य मित्रता भी समाप्त हो गई तथा उनके बीच तनाव, अविश्वास और घृणा का विकास हुआ जिसकी परिणति शीत युद्ध के रूप में सामने आई।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"After the collapse of axis powers, friendship among allied powers also ended and tension, distrust and hatred developed among them that culminated into cold war." Examine. (250 words) 12.5

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात मित्र राष्ट्रों के बीच तनाव उत्पन्न हुआ।

वस्तुतः अमेरिका ने जब जापान पर परमाणु बम से हमला किया, तो सोवियत संघ ने विश्वासघात माना। दरअसल मित्र राष्ट्रों में सोवियत संघ को छोड़कर सभी को अमेरिका के परमाणु बम आविष्कार के बारे में जानकारी थी।

इस घटना का परिणाम हुआ कि अमेरिका और रूस के बीच स्थिति तनावपूर्ण हो गई। तो साथ ही युद्ध के दौरान जब हिटलर ने रूस

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

पया इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
lease do not write
ything except the
uestion number in
is space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

पर हमला किया, तो रूस ने ब्रिटेन एवं फ्रांस से जर्मनी के विरुद्ध दूसरा फ्रंट खोलने को कहा, किंतु जर्मनी के विरुद्ध ब्रिटेन एवं फ्रांस ने दूसरा फ्रंट नहीं खोला। अतः रूस ने इसे अपने साथ विश्वासघात माना।

इसके साथ ही फुल्टन भाषण, जिसमें रूस को समाप्त करने की बात कही गई। U-2 विमान काण्ड इत्यादि रूस एवं मित्र राष्ट्रों के बीच कटुता को और बढ़ाया।

इसी का परिणाम हुआ कि रूस एवं मित्र राष्ट्रों के बीच अपनी सुरक्षा से संबंधित प्रयास किए। इसी क्रम में अमेरिका एवं पश्चिमी यूरोप के देशों ने नाटो का गठन किया और रूस ने वारसा पैक्ट का।

आपसी संदेह के अन्य कारणों को भी लिखें।

- विचारधाराओं में कोई समानता नहीं
- एक दूसरे के नीचे आना मात्र अवसरवादिता थी।

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इसी के साथ विश्व में शीत युद्ध का प्रारंभ हुआ, जिसमें विश्व दो गुटें - पूंजीवादी (अमेरिका) एवं साम्यवादी (सोवियत रूस) में विभाजित हो गया।

निष्कर्ष ?

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1.05	0.25	✗	✗	✗
Grade	B	B	C	C	✗	✗	✗

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
thing except the
estion number in
s space)

17. "अमेरिकी क्रांति ने राजनीतिक अभिनव परिवर्तनों की एक शृंखला आरंभ की जो बाद के काल में अत्यंत उपयोगी साबित हुई।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"American revolution started a series of political innovative changes that became very fruitful in the later period." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

1776 में अमेरिका ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शोषण से मुक्ति प्राप्त की। इसी के साथ अमेरिका में अनेक राजनीतिक परिवर्तन आए, जिससे केवल अमेरिका ही प्रभावित नहीं हुआ बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित किया।

अमेरिकी क्रांति के पश्चात संवैधानिक अध्यक्षात्मक प्रणाली को अपनाया गया। प्रत्येक व्यक्ति को मानवाधिकार प्रदान किए गए। सम्पत्ति का अधिकार प्रदान किया गया। मौलिक अधिकार प्रदान किए गए।

इसी का परिणाम हुआ कि आगे चलकर अमेरिका में गृह युद्ध हुआ

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

और दास प्रथा की समाप्ति की गई।

इतना ही नहीं अमेरिकी क्रांति ने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया। अमेरिका की संवैधानिक प्रावधानों का फ्रांस, जर्मनी में प्रसार हुआ। अतः फ्रांस की क्रांति में भी योगदान दिया।

विश्व को में अमेरिका में पहला लिखित संविधान का निर्माण किया गया जिसने स्वतंत्र न्यायपालिका, विधायिका एवं कार्यपालिका का प्रावधान किया। अतः विश्व के अन्य देशों ने इनं प्रावधानों को स्वीकार किया।

विश्व में अमेरिका की पूंजीवादी विचारधारा का प्रसार हुआ अतः

पहले अमेरिका द्वारा किए गए राजनीतिक परिवर्तन की चर्चा करते हुए तब अन्य राष्ट्रों के ऊपर प्रभावों को लिखें।

पहला लिखित संविधान

सामाजिक समानता सुनिश्चित करने का प्रयास

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः अनेक देशों ने इसे स्वीकार किया।

यदि भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में मौलिक अधिकारों के प्रावधान अमेरिका के संविधान से ही स्वीकार किए गए।

अतः स्पष्ट है कि अमेरिका की क्रांति ने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया।

ब्रिटेन एवं भारत पर प्रभावों को भी स्पष्ट करें।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	✗	0.25	✓
Grade	B	B	C	C	✗	B	✓

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "अगर स्टेट्स जनरल की बैठक नहीं होती तो फ्रांसीसी क्रांति की शुरूआत भी नहीं हुई होती।" उक्त कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? (250 शब्द) 12.5

"If the meeting of Estate General wouldn't held then french revolution couldn't have been started." To what extent you agree with the above mentioned statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

उत्तर को शुरुआत ऐसे न करें।

"अगर स्टेट्स जनरल की बैठक नहीं होती तो फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत नहीं होती।" उक्त कथन से मैं सहमत नहीं हूँ।

वस्तुतः स्टेट्स जनरल की बैठक ने जनता को अपने संचित आक्रोश को व्यक्त करने का मौका दिया और उसने साधारण सभा को ही संविधान सभा घोषित कर दिया।

किंतु यह कहना कि स्टेट्स जनरल की बैठक के कारण ही फ्रांसीसी क्रांति हुई भ्रामक है।

वस्तुतः फ्रांसीसी क्रांति के कारण तो वहाँ की राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक नीतियाँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

प्रश्न इस स्थान में प्रश्न क्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में विद्यमान थे।

फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र मौजूद, जो कुलीनों एवं सामंतों के माध्यम से शासन करता था और वह जन कल्याण पर कोई ध्यान नहीं दे रहा था।

फ्रांस में समाज अधिकार युक्त एवं अधिकार विहीन वर्ग में विभाजित था। जहां अधिकार युक्त वर्ग में पादरी एवं कुलीन शामिल थे, तो वहीं अधिकार विहीन वर्ग में मध्यवर्ग, किसान, मजदूर शामिल थे और कर का भारोपण केवल अधिकार विहीन वर्ग पर था एवं इन्हें समाज में सम्मान भी प्राप्त नहीं था।

फ्रांस की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं थी। लुई-16 द्वारा सप्तवर्षीय, अमेरिकी स्वतंत्रता

अनावश्यक वर्णन न करें।

फ्रांसीसी क्रांति में स्टेट्स जनरल की भूमिका को स्पष्ट करें।

एवं इसके प्रभावों को बताएँ।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संग्राम में भाग लेने के कारण आर्थिक स्थिति कमजोर हुई। अतः जनता पर कर भार बढ़ा और जनता असंतुष्ट हुई।

वहीं साथ ही रूसो, वाल्टेयर जैसे विचारकों ने क्रांति को संभव है।

अतः स्पष्ट है कि क्रांति के मूल कारण तो फ्रांस की प्रशासनिक, आर्थिक एवं सामाजिक नीतियों में विद्यमान थे, उसकी तात्कालिक अभिव्यक्ति जनरल स्टेट्स की बैठक में हुई।

1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	✗	✗	0.5	0.25	✗	✗	✗
Grade	✗	✗	D	C	✗	✗	✗

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

19. "यद्यपि 17वीं-18वीं सदी में इंग्लैंड में हो रहे सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी रूपांतरणों ने भावी औद्योगिक क्रांति का आधार तैयार कर दिया था, फिर भी इसमें प्राणवायु का संचार भारत द्वारा ही किया गया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Though the social, economic and technical transformation in 17th-18th century England laid the future base for the industrial revolution, still the life breath came from India only." Comment. (250 words) 12.5

17 वीं -18 वीं सदी में इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति हुई, समाज में समृद्धि हुई और तकनीकी विकास हुआ।

भूमिका प्रभावी लिखें

औद्योगिक क्रांति क्या है? स्पष्ट करें।

वस्तुतः इंग्लैण्ड में अनेक तकनीकी विकास जैसे- स्टीम इंजन की खोज, नाइट लैम्प की खोज हुई। साथ ही इंग्लैण्ड में एक पूंजीपति वर्ग का उभार हुआ जिसने औद्योगिक क्रांति को संभव बनाया।

किंतु इस औद्योगिक क्रांति को सफल बनाने में भारत का महत्वपूर्ण योगदान है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

वस्तुतः भारत ब्रिटेन का उपनिवेश और ब्रिटेन ने भारत के शोषण द्वारा न केवल यहाँ से बड़े पैमाने पर ब्रिटेन धन भेजा। बल्कि ब्रिटेन को कच्चे माल की आपूर्ति भी भारत द्वारा की गई।

इतना ही नहीं भारत में ब्रिटेन ने तैयार माल को बेचा। इस प्रकार ब्रिटेन को अपनी औद्योगिक क्रांति के सफल बनाने के लिए यहाँ से कच्चे माल की प्राप्ति हुई, तो वहीं तैयार माल के लिए बाजार भी उपलब्ध हुआ।

भारत से धन बहिर्गमन के माध्यम पूंजी भी ब्रिटेन भेजी गई, जिसका प्रयोग वहाँ की औद्योगिक क्रांति को सफल बनाने में किया गया।

ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति के विकास के कारणों को अलग-अलग पैरा में लिखें।
- भौगोलिक कारण
- राजनीतिक कारण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः स्पष्ट है कि औद्योगिक क्रांति को प्राणवायु भारत ने ही प्रदान की।

उत्तर लेखन में तारतम्यता बनाये रखें।

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	x	1.5	1	0.25	x	0.25	x
Grade	x	C	C	C	x	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

20. क्या आप मानते हैं कि 'ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि' लेनिन की एक गंभीर भूल थी? तर्कपूर्ण उत्तर दें। (250 शब्द) 12.5

Do you consider 'the treaty of Brest Litovsk' was a gross mistake of Lenin? Answer logically. (250 words) 12.5

'ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि' के द्वारा लेनिन ने रूस को प्रथम ~~द्वितीय~~ विश्व युद्ध से अलग कर लिया। इस कारण उसे अपना बड़ा औद्योगिक क्षेत्र गवाना पड़ा, तो साथ ही जर्मनी को युद्ध हर्जाना भी देना पड़ा।

इसी परिप्रेक्ष्य में यह कहा जाता है कि यह लेनिन की भूल थी। किंतु किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पूर्व आवश्यक है कि ~~इसके~~ इस संधि के परिणामों का विश्लेषण किया जाए।

इस संधि से रूस युद्ध से अलग हो गया। वस्तुतः युद्ध अलग होने के कारण अब रूस अपने विकास को प्राथमिकता दे

सराहनीय

संबंधित तथ्यों को भी लिखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सका। जो संसाधन युद्ध में खर्च हो रहे थे उनका प्रयोग देश के विकास में किया।

इसी का परिणाम है कि रूस में आर्थिक एवं तकनीकी प्रगति और वैज्ञानिक रूप से सक्षम हुआ। रूस में गरीबी में कमी आई, प्रत्येक व्यक्ति को मूलभूत सुविधाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास प्रदान किया गया।

यदि इस संधि के परिणामों का विश्लेषण करें तो इसे लेनिन की भूल नहीं बल्कि सही कदम मानना चाहिए। क्योंकि एक तो जन-धन की हानि भी रुकी तो साथ ही अगले 30 वर्षों में ही रूस विश्व के शीर्ष देशों में शामिल हो गया।

अर्थव्यवस्था की दयनीय हालत
गृह विद्रोह की आशंका
हथियारों एवं अन्य संसाधनों का अभाव जैसे बिन्दुओं का उल्लेख करें।

संधि के नकारात्मक पक्षों को भी लिखें।

निष्कर्ष प्रभावी लिखें।

22

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान
कुछ न लिखें।

(Please don't wri
anything in this sp

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	0.5	0.25	2	0.25	1
Grade	A	C	D	C	2	B	1

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation